# Lakshya IAS
academy

18
Aug 2026

# DAILY CURRENT AFFAIRS

**Mr. R.P. Singh Sir**
**(MD)**

लक्ष्य IAS तेलीबाग लखनऊ
Lakshya IAS Academy
8182093320

## 1. अमित शाह ने राजस्थान के 15 जिलों में ₹5,755 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजस्थान के 15 जिलों में क्षेत्रीय विकास और बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण को लक्षित करते हुए 5,755 करोड़ रुपये मूल्य की प्रमुख विकास परियोजनाओं की एक श्रृंखला शुरू की। इस प्रमुख पहल के तहत चित्तौड़गढ़ में सड़क कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य सेवा और जल आपूर्ति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 944 सार्वजनिक कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उनकी 21 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण भी किया गया। राजस्थान में यह बड़ा निवेश राज्य के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नागरिक बुनियादी ढांचे को तेज करने, स्थानीय प्रशासन को मजबूत करने और समग्र आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार की केंद्रित रणनीति को रेखांकित करता है।

**मुख्य बिंदु:**

- क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे को बड़ा बढ़ावा: केंद्रीय गृह मंत्री ने राजस्थान के 15 अलग-अलग जिलों में 944 प्रमुख सार्वजनिक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।
- प्रतिमा अनावरण समारोह आयोजित: चित्तौड़गढ़ में कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 21 फीट ऊंची प्रतिमा का आधिकारिक अनावरण किया गया।
- कल्याणकारी योजनाओं की राशि वितरित: यात्रा के दौरान राज्य स्तरीय किसान सहायता पहलों के तहत लाखों क्षेत्रीय किसानों को सीधे वित्तीय सहायता स्थानांतरित की गई।

## 1. Amit Shah Launches Development Projects Worth ?5,755 Crore Across 15 Rajasthan Districts

Union Home Minister Amit Shah launched a series of key developmental projects valued at 5,755 crore rupees targeting regional growth and infrastructure enhancement across 15 districts of Rajasthan. The major initiative saw the inauguration and foundation stone laying for 944 public works in Chittorgarh aimed at boosting road connectivity, healthcare, and water supply. During the event, a prominent 21-foot statue of former Prime Minister Atal Bihari Vajpayee was also unveiled on his death anniversary. These substantial investments in Rajasthan underscore the central government's focused strategy to accelerate civic infrastructure, strengthen local governance, and foster overall economic development throughout the state's rural and urban sectors.

**Key Points:**

- Huge Regional Infrastructure Boost: Union Home Minister inaugurated and laid foundation stones for 944 major public development projects across 15 distinct districts in Rajasthan.
- Statue Unveiling Ceremony Conducted: A 21-foot tall statue of former Prime Minister Atal Bihari Vajpayee was officially unveiled during the event in Chittorgarh.
- Welfare Scheme Funds Distributed: Financial assistance was transferred directly to millions of regional farmers under the state level farmer support initiatives during the visit.

## 2. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

देशभर के नेता पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी पुण्यतिथि पर भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए नई दिल्ली स्थित प्रतिष्ठित स्मारक सदैव अटल पर एकत्रित हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और कई वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों के साथ केंद्रीय स्थल पर आयोजित प्रार्थना सभा में शामिल हुए। भारतीय राजनीति, जनसेवा और दूरदर्शी शासन में दिवंगत नेता के विशाल योगदान को याद करते हुए विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने उनके उल्लेखनीय संसदीय योगदान का स्मरण किया। इस राष्ट्रीय सभा ने आधुनिक बुनियादी ढांचे, कूटनीति और राष्ट्र-निर्माण की पहलों पर उनके स्थायी प्रभाव को रेखांकित किया।

**मुख्य बिंदु:**

- पूर्व राष्ट्रीय नेता का सम्मान: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी 8वीं पुण्यतिथि पर देशभर में श्रद्धांजलि अर्पित की।
- दूरदर्शी नेतृत्व शैली की सराहना: प्रधानमंत्री ने पूर्व नेता को एक असाधारण राजनेता के रूप में रेखांकित किया, जिनका समर्पण और दृष्टिकोण वर्तमान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहता है।
- सुशासन प्रतिबद्धता पर जोर: श्रद्धांजलि में इस बात पर जोर दिया गया कि पूर्व प्रधानमंत्री का जन कल्याण और शासन पर निरंतर ध्यान एक सतत मार्गदर्शक शक्ति बना हुआ है।

## 2. Prime Minister Narendra Modi Pays Tribute to Former PM Atal Bihari Vajpayee on His Death Anniversary

Nation-wide leaders gathered at the iconic memorial Sadaiv Atal in New Delhi to pay rich floral tributes to former Prime Minister Bharat Ratna Atal Bihari Vajpayee on his death anniversary. Prime Minister Narendra Modi, along with President Droupadi Murmu, Vice President CP Radhakrishnan, and several senior dignitaries, attended the solemn prayer meeting held at the central site. Commemorating the late leader's vast contribution to Indian statesmanship, public service, and visionary governance, political figures across lines remembered his remarkable parliamentary legacy. The national gathering highlighted his enduring influence on modern infrastructure, diplomacy, and nation-building initiatives.

**Key Points:**

- Honoring Former National Leader: Prime Minister Narendra Modi paid tribute to former Prime Minister Atal Bihari Vajpayee on his eighth death anniversary nationwide.
- Praising Visionary Leadership Style: The Prime Minister highlighted the former leader as an extraordinary statesman whose dedication and vision continue inspiring current generations.
- Emphasizing Good Governance Commitment: The tribute emphasized that the former Prime Minister's steadfast focus on public welfare and governance remains a perpetual guiding force.

## 3. डीआरआई ने सुपारी के आयात में साफ्टा के प्रावधानों के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग का पर्दाफाश किया

राजस्व खुफिया निदेशालय ने दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र समझौते के तहत भारत में सुपारी के अवैध आयात से जुड़े एक बड़े अंतरराष्ट्रीय व्यापार धोखाधड़ी का पर्दाफाश किया। सिंडिकेट ने इंडोनेशिया, थाईलैंड और मलेशिया जैसे दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से सुपारी प्राप्त की, लेकिन शुल्क-मुक्त छूट का लाभ उठाने के लिए उत्पत्ति के देश के रूप में बांग्लादेश का झूठा दावा किया। सुपारी के सामान्य आयात पर 100 प्रतिशत मूल सीमा शुल्क लगता है, लेकिन प्राथमिकता वाले व्यापार समझौते के तहत धोखाधड़ी वाले दावों के कारण सरकारी खजाने को 2,500 करोड़ रुपये से अधिक के नुकसान का अनुमान है। राष्ट्रव्यापी प्रवर्तन अभियानों के परिणामस्वरूप नौ गिरफ्तारियां हुईं, एक प्रमुख कस्टम्स ब्रोकर का लाइसेंस निलंबित किया गया और पर्याप्त मात्रा में नकदी एवं कार्गो शिपमेंट जब्त किए गए।

### मुख्य बिंदु:

- सीमा शुल्क चोरी का पर्दाफाश: प्रवर्तन एजेंसियों ने एशियाई सुपारी को शुल्क-मुक्त आयात करने के लिए क्षेत्रीय व्यापार समझौते के नियमों का दुरुपयोग करने वाले एक बड़े अवैध नेटवर्क का पर्दाफाश किया।
- सरकारी खजाने को राजस्व का भारी नुकसान: इस धोखाधड़ी वाले नेटवर्क ने बांग्लादेशी उत्पादन का दावा करने वाले फर्जी उत्पत्ति प्रमाणपत्रों के माध्यम से 2500 करोड़ से अधिक के अनुमानित राजस्व नुकसान पहुंचाया।
- कड़ी कानूनी कार्रवाई: अधिकारियों ने नौ व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, 160 मीट्रिक टन सामान जब्त किया और शामिल कस्टम्स ब्रोकरों के परिचालन लाइसेंस निलंबित कर दिए।

## 3. DRI Uncovers Large-Scale Misuse of SAFTA Provisions in Areca Nut Imports

The Directorate of Revenue Intelligence exposed a massive international trade fraud involving the illegal import of areca nuts into India under the South Asian Free Trade Area agreement. Syndicates sourced areca nuts from South-East Asian countries such as Indonesia, Thailand, and Malaysia, but falsely declared Bangladesh as the country of origin to exploit duty-free exemptions. Standard imports of areca nuts attract a 100 percent Basic Customs Duty, but fraudulent claims under the preferential trade agreement led to an estimated loss of over 2,500 crore rupees to the government exchequer. Nationwide enforcement operations resulted in nine arrests, the suspension of a key customs broker licence, and the seizure of substantial cash and cargo shipments.

### Key Points:

- Customs Duty Evasion Uncovered: Enforcement agencies exposed a major illegal network misusing regional trade agreement rules to import Asian areca nuts duty-free.
- Massive Exchequers Revenue Loss: The fraudulent network caused an estimated revenue loss exceeding 2500 crore through fake origin certificates claiming Bangladeshi production.
- Stringent Legal Action Executed: Authorities arrested nine individuals, seized 160 metric tonnes of goods, and suspended the operational licenses of involved customs brokers.

## 4. थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ नेपाल की आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुए

द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और सैन्य संबंधों को मजबूत करने के लिए थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ अगस्त 2026 में नेपाल की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुए। काठमांडू के राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष अलंकरण समारोह के दौरान नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने जनरल सेठ को नेपाली सेना के जनरल की मानद उपाधि से सम्मानित किया। यह मान्यता 1950 से चली आ रही एक अनूठी पारस्परिक परंपरा को जारी रखती है, जहां भारत और नेपाल के सेना प्रमुखों को एक-दूसरे के देशों द्वारा समकक्ष रैंक से सम्मानित किया जाता है। जनरल सेठ की यह यात्रा दोनों पड़ोसी देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सैन्य कूटनीति, संयुक्त परिचालन आदान-प्रदान और रणनीतिक सुरक्षा साझेदारी को रेखांकित करती है।

**मुख्य बिंदु:**

- द्विपक्षीय सैन्य संबंधों को मजबूती: थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने नेपाल के साथ रक्षा संबंधों का विस्तार करने के लिए तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा शुरू की।
- प्रतिष्ठित मानद रैंक से सम्मान: थल सेनाध्यक्ष को नेपाल के राष्ट्रपति से नेपाली सेना के जनरल की पारंपरिक मानद रैंक प्राप्त होगी।
- रणनीतिक स्तर की उच्चस्तरीय बातचीत: चर्चाओं में सेना मुख्यालय में वरिष्ठ परिचालन नेतृत्व के साथ ब्रीफिंग के साथ-साथ पारस्परिक हित के महत्वपूर्ण रणनीतिक मुद्दों को शामिल किया जाएगा।

## 4. Army Chief General Dhiraj Seth Embarks on Official Visit to Nepal

Chief of Army Staff General Dhiraj Seth embarked on an official three-day visit to Nepal in August 2026 to strengthen bilateral defence cooperation and military ties. During a special investiture ceremony held at Rashtrapati Bhawan in Kathmandu, Nepali President Ram Chandra Paudel conferred the honorary rank of General of the Nepali Army upon General Seth. This recognition continues a unique reciprocal tradition dating back to 1950, where the army chiefs of India and Nepal are honored with equivalent ranks by each other's nations. General Seth's visit highlights the longstanding military diplomacy, joint operational exchanges, and strategic security partnership shared between both neighboring countries.

**Key Points:**

- Strengthening Bilateral Military Relations: Chief of the Army Staff General Dhiraj Seth initiated a three-day official visit to expand defence ties with Nepal.
- Conferring Prestigious Honorary Rank: The Army Chief will receive the traditional honorary rank of General of the Nepali Army from the President of Nepal.
- Strategic Level High Interactions: Discussions will cover crucial strategic issues of mutual interest alongside briefings with senior operational leadership at the army headquarters.

## 5. भारत नई दिल्ली में ब्रिक्स पर्यावरण कार्य समूह की बैठकों की मेजबानी करेगा

- भारत 'लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' के मुख्य विषय के तहत नई दिल्ली के भारत मंडपम में 12वीं ब्रिक्स पर्यावरण मंत्रियों की बैठक और वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक की मेजबानी कर रहा है। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अध्यक्षता में आयोजित यह उच्च स्तरीय कार्यक्रम मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और नीति निर्माताओं को वैश्विक पर्यावरण शासन को आगे बढ़ाने के लिए एक साथ लाता है। भारत की अध्यक्षता चार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर केंद्रित है: टिकाऊ जीवन शैली को बढ़ावा देना, वनीकरण और आपदा लचीलेपन को बढ़ाना, परिपत्र अर्थव्यवस्था में परिवर्तन करना और सामुदायिक ज्ञान के माध्यम से जलवायु अनुकूलन को मजबूत करना। यह शिखर सम्मेलन संसाधन दक्षता को मजबूत करने और सदस्य देशों में दीर्घकालिक सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रयासों को रेखांकित करता है।

**मुख्य बिंदु:**

- वैश्विक पर्यावरण मंच की मेजबानी: भारत नई दिल्ली में 12वीं ब्रिक्स पर्यावरण मंत्रियों की बैठक और वरिष्ठ अधिकारियों के कार्य समूह की मेजबानी करने के लिए तैयार है।
- टिकाऊ जीवन शैली पर ध्यान केंद्रित: चर्चा टिकाऊ जीवन शैली को बढ़ावा देने, जलवायु परिवर्तन शमन रणनीतियों और अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण सहयोग पहलों को बढ़ावा देने पर केंद्रित होगी।
- भविष्य के टिकाऊ सहयोग को मजबूत करना: सदस्य देश वैश्विक पर्यावरणीय लचीलेपन के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने के लिए प्रमुख सहमति वाले परिणाम दस्तावेजों पर विचार-विमर्श करेंगे।

## 5. India to Host BRICS Environment Working Group Meetings in New Delhi

- India is hosting the 12th BRICS Environment Ministers' Meeting and Senior Officers' Meeting at Bharat Mandapam in New Delhi under the overarching theme of Building for Resilience, Innovation, Cooperation and Sustainability. Presided over by the Union Ministry of Environment, Forest and Climate Change, the high-level event brings together ministers, senior officials, and policymakers to advance global environmental governance. India's chairship focuses on four priority areas: promoting sustainable lifestyles, enhancing afforestation and disaster resilience, transitioning to a circular economy, and strengthening climate adaptation through community knowledge. The summit underscores collective efforts to bolster resource efficiency and foster long-term sustainable development across member countries.

**Key Points:**

- Hosting Global Environmental Platform: India is set to host the 12th BRICS Environment Ministers Meeting and Senior Officers Working Group in New Delhi.
- Focusing On Sustainable Lifestyles: Discussions will focus on promoting sustainable lifestyles, climate change mitigation strategies, and fostering international environmental cooperation initiatives.
- Strengthening Future Sustainable Cooperation: Member nations will deliberate on key consensus outcome documents to advance collective commitment towards global environmental resilience.

## 6. खान मंत्रालय महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज नीलामी की आठवीं किश्त पर रोडशो आयोजित करेगा

- खान मंत्रालय, भारत सरकार ने राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण और विकास ट्रस्ट पर एक कार्यशाला के साथ महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉक नीलामियों की आठवीं किश्त पर एक निवेशक रोडशो का आयोजन किया। आठवीं किश्त में नौ राज्यों में फैले 20 महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉक शामिल हैं, जिनमें ग्रेफाइट, लिथियम, दुर्लभ पृथ्वी तत्व, वैनेडियम और टाइटेनियम जैसी प्रमुख वस्तुएं शामिल हैं। केंद्रीय कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे की अध्यक्षता में आयोजित यह कार्यक्रम बोली ढांचे को सुव्यवस्थित करने, घरेलू अन्वेषण को बढ़ावा देने, निजी क्षेत्र की भागीदारी को तेज करने और उभरती प्रौद्योगिकियों तथा स्वच्छ ऊर्जा के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने के सरकारी प्रयासों को रेखांकित करता है।

**मुख्य बिंदु:**

- रणनीतिक ब्लॉक नीलामियों को बढ़ावा देना: खान मंत्रालय ने पटना में एक निवेशक रोडशो का आयोजन किया जिसमें बीस नए प्रस्तावित महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉकों को उजागर किया गया।
- विविध खनिज पोर्टफोलियो का अनावरण: नीलामी की इस किश्त में औद्योगिक उपयोग के लिए ग्रेफाइट, दुर्लभ पृथ्वी तत्व, वैनेडियम, पोटाश, लिथियम और टाइटेनियम जैसे आवश्यक खनिज शामिल हैं।
- इंटरैक्टिव हितधारक सहभागिता सत्र: उद्योग जगत के नेताओं और निवेशकों को बोली ढांचे, अन्वेषण सहायता और प्रतिस्पर्धी बाजार-संचालित नियमों के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

## 6. Ministry of Mines to Hold Roadshow on Eighth Tranche of Critical and Strategic Mineral Auctions

- The Ministry of Mines, Government of India, organised an investor roadshow on the eighth tranche of critical and strategic mineral block auctions along with a workshop on the National Mineral Exploration and Development Trust. The eighth tranche comprises 20 critical and strategic mineral blocks spread across nine states, featuring key commodities such as graphite, lithium, rare earth elements, vanadium, and titanium. Chaired by Union Minister of State for Coal and Mines Satish Chandra Dubey, the event highlights government efforts to streamline the bidding framework, promote domestic exploration, accelerate private sector participation, and secure critical mineral supply chains essential for emerging technologies and clean energy.

**Key Points:**

- Promoting Strategic Block Auctions: The Ministry of Mines organized an investor roadshow in Patna highlighting twenty newly offered critical and strategic mineral blocks.
- Diverse Mineral Portfolio Unveiled: The auction tranche includes essential minerals like graphite, rare earth elements, vanadium, potash, lithium, and titanium for industrial use.
- Interactive Stakeholder Engagement Sessions: Industry leaders and investors received detailed guidance regarding bidding frameworks, exploration support, and competitive market-driven rules.

## 7. नाइलिट ने साइबर कुश्ती 2026 राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा और एआई हैकाथॉन लॉन्च किया

- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था, राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान ने अगस्त 2026 में साइबर कुश्ती 2026 राष्ट्रीय हैकाथॉन का शुभारंभ किया। साइबर सुरक्षा, डिजिटल फॉरेंसिक और इंटेलिजेंस पर तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए समानांतर तकनीकी ट्रैक के रूप में कार्य करते हुए, यह प्रतियोगिता एआई-संचालित वातावरण में साइबर सुरक्षा निर्णयों का मूल्यांकन, प्राथमिकता और बचाव करने में गति के स्थान पर मानव निर्णय का मूल्यांकन करती है। आईएसएसी फाउंडेशन और सर्ट-इन के साथ आयोजित यह कार्यक्रम, झूठे, दोहराए गए या छूटे हुए एआई निष्कर्षों से वास्तविक खतरों को अलग करने पर प्रतिभागियों का परीक्षण करने के लिए जानबूझकर मूल्यांकन पैकेज प्रदान करता है, और जीतने वाली राष्ट्रीय टीम को साइबर केसरी 2026 के रूप में ताज पहनाता है।

**मुख्य बिंदु:**

- राष्ट्रीय साइबर कार्यक्रम का शुभारंभः राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान ने एक राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हैकाथॉन प्रतियोगिता शुरू की।
- मानव मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रितः पारंपरिक प्रतियोगिताओं के विपरीत, यह कार्यक्रम जटिल साइबर सुरक्षा निर्णयों का मूल्यांकन, प्राथमिकता और बचाव करने में प्रतिभागियों के मानव निर्णय का परीक्षण करता है।
- जानबूझकर अपूर्ण पैकेज प्रदान करनाः भाग लेने वाली टीमों को परिणामों को सही करने के लिए मिश्रित झूठे, डुप्लिकेट और वास्तविक सॉफ्टवेयर निष्कर्षों वाले मूल्यांकन पैकेजों का विश्लेषण करना होगा।

## 7. NIELIT Launches CYBER KUSHTI 2026 National Cybersecurity and AI Hackathon

- The National Institute of Electronics and Information Technology, an autonomous scientific society under the Ministry of Electronics and Information Technology, launched the CYBER KUSHTI 2026 national hackathon in August 2026. Serving as the parallel technical track for the 3rd National Conference on Cyber Security, Digital Forensics and Intelligence, the competition evaluates human judgment over speed in evaluating, prioritizing, and defending cybersecurity decisions in an AI-driven environment. Organized alongside the ISAC Foundation and CERT-In, the event provides deliberate assessment packages to test participants on distinguishing genuine threats from false, duplicated, or omitted AI findings, crowning the winning national team as Cyber Kesari 2026.

**Key Points:**

- Launching National Cyber Event: The National Institute of Electronics and Information Technology launched a national cybersecurity and artificial intelligence hackathon competition.
- Focusing On Human Evaluation: Unlike traditional competitions, the event tests participants' human judgment in evaluating, prioritizing, and defending complex cybersecurity decisions.
- Providing Deliberately Imperfect Packages: Participating teams must analyze assessment packages containing mixed false, duplicate, and genuine software findings to correct the results.

## 8. सरकार ने स्वास्थ्य सेवा में शीघ्र निदान और जिम्मेदार चिकित्सा हस्तक्षेप पर जोर दिया

- भारत सरकार प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए देश भर में 1.85 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को संचालित करके अपने सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा नेटवर्क का महत्वपूर्ण रूप से विस्तार कर रही है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी जिलों में संपर्क के प्राथमिक बिंदु के रूप में कार्य करते हुए, ये केंद्र उच्च रक्तचाप, मधुमेह और सामान्य कैंसर सहित प्रमुख गैर-संचारी रोगों के लिए शुरुआती बीमारी का पता लगाने, सार्वभौमिक जांच और निवारक प्रबंधन पर भारी ध्यान केंद्रित करते हैं। स्थानीय समुदायों के करीब विस्तारित नैदानिक सेवाएं और मुफ्त आवश्यक दवाएं प्रदान करके, सरकार का लक्ष्य जेब से होने वाले चिकित्सा खर्च को कम करना, समय पर नैदानिक रेफरल को बढ़ावा देना और समग्र स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य को पारंपरिक उपचारात्मक देखभाल से एक सक्रिय, निवारक स्वास्थ्य व्यवस्था में स्थानांतरित करना है।

**मुख्य बिंदु:**

- समय पर बीमारी का पता लगाने को प्राथमिकता: स्वास्थ्य एजेंसियां बीमारी के प्रसार को रोकने, उपचार की सफलता दर में सुधार करने और मरीज के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए प्रारंभिक नैदानिक निदान पर जोर देती हैं।
- साक्ष्य-आधारित नैदानिक प्रथाओं को बढ़ावा देना: अधिकारी नैतिक, प्रभावी और लक्षित चिकित्सा उपचार प्रोटोकॉल सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार चिकित्सा हस्तक्षेप और संरचित दिशानिर्देशों की वकालत करते हैं।
- समग्र सार्वजनिक व्यय में कमी: समय पर जांच कार्यक्रम जटिलताओं को कम करके और देर से चरण के गहन चिकित्सा हस्तक्षेप से बचाकर दीर्घकालिक स्वास्थ्य देखभाल व्यय को काफी कम करते हैं।

## 8. Government Emphasises Early Diagnosis and Responsible Medical Intervention in Healthcare

- The Government of India is significantly expanding its public healthcare network by operationalizing over 1.85 lakh Ayushman Arogya Mandirs across the country to strengthen primary healthcare infrastructure. Acting as the primary point of contact in rural and semi-urban districts, these centers focus heavily on early disease detection, universal screening, and preventive management for major non-communicable diseases including hypertension, diabetes, and common cancers. By providing expanded diagnostic services and free essential medicines closer to local communities, the government aims to reduce out-of-pocket medical expenditure, promote timely clinical referrals, and shift the overall healthcare paradigm from traditional curative care to a proactive, preventive health regime.

**Key Points:**

- Prioritizing Timely Disease Detection: Health agencies emphasize early clinical diagnosis to prevent disease progression, improve treatment success rates, and safeguard patient health.
- Promoting Evidence-Based Clinical Practices: Authorities advocate responsible medical interventions and structured guidelines to ensure ethical, effective, and targeted medical treatment protocols.
- Reducing Overall Public Expenditure: Timely screening programs significantly lower long-term healthcare expenditure by minimizing complications and avoiding late-stage intensive medical interventions.

## 9. उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन चेन्नई में एसआरएम संस्थान के 22वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में चेन्नई के पास एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के 22वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने 'राष्ट्र प्रथम' को अपना प्राथमिक मार्गदर्शक सिद्धांत बनाने पर बल दिया और युवाओं से राष्ट्र निर्माण के लिए अपने ज्ञान, तकनीकी कौशल और नवाचार का उपयोग करने का आह्वान किया। उच्च शिक्षा के तीव्र विस्तार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम टेक्नोलॉजीज और रोबोटिक्स जैसे उभरते क्षेत्रों पर प्रकाश डालते हुए उपराष्ट्रपति ने स्नातकों से भविष्य को सक्रिय रूप से आकार देने के लिए खुद को तैयार करने का आग्रह किया। उन्होंने नए स्नातकों को भटकाव के बजाय अनुशासन चुनने, संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने और शैक्षणिक अनुसंधान को सार्थक सामाजिक समाधानों में बदलने के लिए प्रोत्साहित किया जो टिकाऊ राष्ट्रीय विकास को आगे बढ़ाते हैं।

**मुख्य बिंदु:**

- वार्षिक विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह को संबोधित करना: उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने चेन्नई में एसआरएम संस्थान के 22वें दीक्षांत समारोह में स्नातक छात्रों को संबोधित किया।
- राष्ट्र प्रथम सिद्धांत की वकालत: छात्रों से राष्ट्रीय विकास में नवाचार का योगदान करते हुए ₹राष्ट्र प्रथम₹ को अपने प्राथमिक मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में अपनाने का आग्रह किया गया।
- मजबूत नशीली दवाओं के खिलाफ जागरूकता को बढ़ावा देना: उपराष्ट्रपति ने ₹ड्रग्स को कहें ना₹ की शपथ दिलाई, और युवाओं से अनुशासन और उद्देश्य चुनने का आग्रह किया।

## 9. Vice President C. P. Radhakrishnan Graces SRM Institute's 22nd Convocation in Chennai

Vice President C. P. Radhakrishnan graced the 22nd Convocation of the SRM Institute of Science and Technology near Chennai as the chief guest. Addressing the graduating students, he emphasized Nation First - Rashtra Pratham as their primary guiding principle, calling upon the youth to leverage their knowledge, technical skills, and innovation for nation-building. Highlighting the rapid expansion of higher education and emerging fields such as Artificial Intelligence, Quantum Technologies, and robotics, the Vice President urged graduates to prepare themselves to actively shape the future. He encouraged the new graduates to choose discipline over distraction, uphold constitutional values, and translate academic research into meaningful social solutions that drive sustainable national development.

**Key Points:**

- Addressing Annual University Convocation: Vice President C. P. Radhakrishnan addressed graduating students at the 22nd convocation ceremony of SRM Institute in Chennai.
- Advocating Nation First Principle: Students were urged to adopt "Nation First" as their primary guiding principle while contributing innovation to national development.
- Promoting Strong Anti-Drug Awareness: The Vice President administered a "Say No to Drugs" pledge, urging youth to choose discipline and purpose.

## 10. राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार 2026 विज्ञान भवन में प्रदान किए जाएंगे

- पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित होने वाले एक आधिकारिक राष्ट्रीय समारोह के दौरान प्रतिष्ठित राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार 2026 प्रदान करेगा। सेवानिवृत्त और सेवानिवृत्त हो चुके केंद्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों और बैंकिंग क्षेत्र के अधिकारियों की विरासत और उत्कृष्ट प्रशासनिक योगदान को सम्मानित करने के लिए आयोजित यह वार्षिक कार्यक्रम महत्वपूर्ण क्षेत्र अंतर्दृष्टि का दस्तावेजीकरण करने वाले असाधारण लेखों को मान्यता देता है। चुने गए अनुभवी लोक सेवकों को प्रशासनिक अनुभवों को साझा करने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार और जूरी प्रमाण पत्र प्राप्त होंगे जो भविष्य के शासन को सरल बनाने और संस्थागत ज्ञान को संरक्षित करने में मदद करते हैं। विज्ञान भवन में आधिकारिक प्रस्तुति सिविल सेवा प्रशासन के लिए एक समृद्ध ऐतिहासिक ज्ञान भंडार बनाने की केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

**मुख्य बिंदु:**

- सिविल सेवक विरासत को मान्यता देना: पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग सेवानिवृत्त लोगों द्वारा प्रस्तुत असाधारण प्रशासनिक लेखों को मान्यता देने वाले राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करेगा।
- ऐतिहासिक ज्ञान भंडार का निर्माण: यह वार्षिक कार्यक्रम भविष्य के लोक सेवा शासन को सरल बनाने के लिए सेवानिवृत्त अधिकारियों के प्रशासनिक अनुभवों और क्षेत्र अंतर्दृष्टि को संरक्षित करता है।
- स्थल पर सम्मान समारोह: आगामी आधिकारिक समारोह के दौरान चयनित सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों को विज्ञान भवन में पुरस्कार और जूरी प्रमाण पत्र मिलेंगे।

★★★

## 10. National Anubhav Awards 2026 to Be Conferred at Vigyan Bhawan

- The Department of Pension and Pensioners Welfare will confer the prestigious National Anubhav Awards 2026 during an official national ceremony scheduled to take place at Vigyan Bhawan in New Delhi. Organized to honor the legacy and outstanding administrative contributions of retiring and retired central government, public sector enterprise, and banking sector officials, the annual event recognizes exceptional write-ups documenting critical field insights. Selected veteran public servants will receive national awards and jury certificates for sharing administrative experiences that help simplify future governance and preserve institutional knowledge. The official presentation at Vigyan Bhawan underscores the central government's commitment to building a rich historical knowledge repository for civil service administration.

**Key Points:**

- Recognizing Civil Servant Legacy: The Department of Pension and Pensioners' Welfare will confer national awards recognizing exceptional administrative write-ups submitted by retirees.
- Building Historical Knowledge Repository: The annual event preserves administrative experiences and field insights from retiring officials to simplify future public service governance.
- Felicitation Ceremony at Venue: Selected retired government employees will receive awards and jury certificates during the upcoming official ceremony at Vigyan Bhawan.

★★★

# दैनिक समसामयिक DAILY CURRENT AFFAIRS MCQs प्रश्नोत्तरी

**Q1. नई दिल्ली में राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार 2026 प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय समारोह का आयोजन कहाँ किया जाएगा?**
(a) भारत मंडपम (b) सुषमा स्वराज भवन
(c) विज्ञान भवन (d) राष्ट्रपति भवन प्रेक्षागृह

**Q2. अगस्त 2026 में एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के 22वें दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने स्नातकों को किस सिद्धांत को मार्गदर्शक बनाने पर बल दिया?**
(a) सभी के लिए ज्ञान
(b) नेशन फर्स्ट - राष्ट्र प्रथम
(c) सीमाओं के बिना नवाचार
(d) वैश्विक तकनीकी श्रेष्ठता

**Q3. ग्रामीण जिलों में बीमारी का जल्द पता लगाने और निवारक स्वास्थ्य जांच के लिए 2026 में किस स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जा रहा है?**
(a) आयुष्मान आरोग्य मंदिर
(b) पीएम-केयर्स आपातकालीन वार्ड
(c) केंद्रीय औषधि परीक्षण प्रयोगशालाएं
(d) राष्ट्रीय फार्मेसी श्रृंखलाएं

**Q4. अगस्त 2026 में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत किस संस्था ने 'साइबर कुश्ती 2026' हैकाथॉन लॉन्च किया?**
(a) नाइलिट
(b) सी-डैक
(c) एनआईसी
(d) एसटीक्यूसी

**Q5. अगस्त 2026 में खान मंत्रालय ने महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉक नीलामियों की किस किश्त के लिए निवेशक रोडशो आयोजित किया?**
(a) 5वीं किश्त
(b) 6ठी किश्त
(c) 7वीं किश्त
(d) 8वीं किश्त

**Q1. Where will the national ceremony for presenting the National Anubhav Awards 2026 be held in New Delhi?**
(a) Bharat Mandapam
(b) Sushma Swaraj Bhawan
(c) Vigyan Bhawan
(d) Rashtrapati Bhavan Auditorium

**Q2. During the 22nd Convocation of SRM Institute of Science and Technology in August 2026, which guiding principle did Vice President C. P. Radhakrishnan emphasize for the graduating students?**
(a) Knowledge for All
(b) Nation First
(c) Innovation Without Borders
(d) Global Technological Excellence

**Q3. Which major health infrastructure pillar is being expanded across the country in 2026 to ensure early disease detection and preventive health screening in rural districts?**
(a) Ayushman Arogya Mandirs
(b) PM-Cares Emergency Wards
(c) Central Drug Testing Laboratories
(d) National Pharmacy Chains

**Q4. In August 2026, which institution under the Ministry of Electronics and Information Technology launched the 'Cyber Kusti 2026' Hackathon?**
(a) NIELIT
(b) C-DAC
(c) NIC
(d) STQC

**Q5. In August 2026, the Ministry of Mines organized an investor roadshow to announce the launch of which tranche of auctions for critical and strategic mineral blocks?**
(a) 5th Tranche
(b) 6th Tranche
(c) 7th Tranche
(d) 8th Tranche

**Q6.** अगस्त 2026 में नई दिल्ली में आयोजित 12वीं ब्रिक्स पर्यावरण मंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता किस केंद्रीय मंत्रालय ने की?
(a) विदेश मंत्रालय
(b) नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
(c) पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
(d) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

**Q7.** अगस्त 2026 में काठमांडू यात्रा के दौरान थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ को नेपाली सेना के जनरल की मानद उपाधि से किसने सम्मानित किया?
(a) प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह
(b) नेपाल के मुख्य न्यायाधीश
(c) रक्षा मंत्री अशोक राज सिग्देल
(d) राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल

**Q8.** अगस्त 2026 में डीआरआई ने दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र समझौते के तहत किस कृषि उत्पाद से जुड़े अवैध शुल्क-मुक्त आयात और व्यापार धोखाधड़ी का पर्दाफाश किया?
(a) काली मिर्च (b) इलायची
(c) सुपारी (d) लौंग

**Q9.** अगस्त 2026 में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि देने के लिए नई दिल्ली में नेता किस स्मारक पर एकत्र हुए?
(a) सदैव अटल (b) विजय घाट
(c) राज घाट (d) शक्ति स्थल

**Q10.** अगस्त 2026 में ₹5,755 करोड़ की प्रमुख विकास परियोजनाओं से 15 जिलों में किस भारतीय राज्य को लाभ हुआ?
(a) गुजरात
(b) राजस्थान
(c) मध्य प्रदेश
(d) उत्तर प्रदेश

**Q6.** Which Union Ministry chaired the 12th BRICS Environment Ministers' Meeting held in New Delhi in August 2026?
(a) Ministry of External Affairs
(b) Ministry of New and Renewable Energy
(c) Ministry of Environment, Forest and Climate Change
(d) Ministry of Earth Sciences

**Q7.** During his visit to Kathmandu in August 2026, who conferred the honorary rank of General of the Nepali Army on Chief of Army Staff General Dhiraj Seth?
(a) Prime Minister Balendra Shah
(b) Chief Justice of Nepal
(c) Defence Minister Ashok Raj Sigdel
(d) President Ram Chandra Paudel

**Q8.** In August 2026, the Directorate of Revenue Intelligence (DRI) uncovered illegal duty-free imports and trade fraud under the South Asian Free Trade Area (SAFTA) agreements involving which agricultural product?
(a) Black Pepper (b) Cardamom
(c) Areca Nut (d) Clove

**Q9.** What is the name of the memorial in New Delhi where leaders from across the country gathered to pay tribute to Bharat Ratna Atal Bihari Vajpayee in August 2026?
(a) Sadaiv Atal (b) Vijay Ghat
(c) Raj Ghat (d) Shakti Sthal

**Q10.** Which Indian state benefited from major development projects worth ₹5,755 crore targeting infrastructure and regional development across 15 districts in August 2026?
(a) Gujarat
(b) Rajasthan
(c) Madhya Pradesh
(d) Uttar Pradesh

**उत्तरमाला (Answer Key)**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 C | 2 B | 3 A | 4 A | 5 D | 6 C | 7 D | 8 C | 9 A | 10 B |